आत्मा में पहले से ही मौजूद सतयुगी संस्कार इमर्ज करें...

ब्र.कु. शिवानी बहन, जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा

आज जब हम अखबार देखते हैं तो कहते हैं ये सब तो बढ़ता ही जा रहा है। एक साल बाद का अखबार हम आज ही देख सकते हैं। आज जो हो रहा है ना, एक साल बाद वो छोटा लगेगा। इस समय वातावरण जो हमारी सृष्टि का है, देश का है, हमारे शहर का है, वो थोड़ा-सा भारी है। आने वाले समय में और भारी हो सकता है। लेकिन उसमें रहते हुए हमें अपने को बचाना है, फिर हम अपने परिवार को बचाएंगे। फिर हम अपने काम के क्षेत्र पर लोगों को बचाएंगे और ये करते-करते हमारे शहर का और सृष्टि का वातावरण बदल जाएगा। पहले किसी एक ने गुस्सा किया होगा, तब आज हम सब गुस्सा करते हैं। डिवोर्स भी पहले कभी किसी एक ने दिया होगा, यह कोई ज़्यादा पुरानी बात नहीं है। पचास साल पहले तक शादी करके भेजा हो बेटी को तो उसको पता था कि उसको वहीं रहना है। बीस साल पहले भी यही पता था लेकिन अब नहीं पता होता है। अब उसको यही पता है कि प्रॉब्लम आ गई तो वापिस आ जाना। बीस साल पहले तक ये ऑप्शन नहीं था। तो किसी एक ने किया, पाँच ने किया, दस ने किया, फिर तो ये नॉर्मल हो गया। तो जैसे ही वो नॉर्मल हो गया, उसके करने की संख्या बढ़ती गई। अगर वो चीज़ निगेटिव में अप्लाई होती है तो वो पॉज़िटिव में भी एप्लिकेबल है। लोग हैरानी से देखेंगे आपकी तरफ। उसने आपको इतना बड़ा धोखा दिया और आपने माफ कर दिया। बड़े अजीब हो आप, तो कहना हाँ जी, अजीब हूँ। लोग अजीब कहेंगे अभी, लेकिन इस फेज़ को हमने क्रॉस करना है। क्योंकि हमें पता है जो हम कर रहे हैं, सही है।

जो आत्माएं सतयुग में थीं, कलियुग तक पहुंचते-पहुंचते थक गईं, मैली भी हो गई, गंदी भी हो गई, लेकिन वो ही आत्मा अब क्लीन-क्लीन होगी, फ्रेश होगी, चार्ज होगी और वो ही आत्मा सुबह के लिए फिर से तैयार हो जाएगी।

क्या हमें वो स्पेशल वाली आत्मा बनना है, जो सतयुगी संस्कारों को इस सृष्टि पर फिर से लेकर आएगी? सतयुगी संस्कार हर आत्मा के अंदर ऑलरेडी रिकॉर्डेड हैं। सुबह हुई, दोपहर हुई, थोड़ी देर बाद शाम होगी, फिर रात होगी। रात के बाद फिर सुबह होगी। इसी तरह इस सृष्टि पर सतयुग था, फिर त्रेतायुग आया, फिर द्वापरयुग आया, फिर कलियुग आया। अभी तो हम कहते हैं घोर कलियुग। तो घोर कलियुग के बाद कोई और युग नहीं है? साइकल रिपीट हो जाता है। घोर कलियुग के बाद फिर सतयुग आएगा। जो आत्माएं सतयुग में थीं, कलियुग तक पहुंचते-पहुंचते थक गईं, मैली भी हो गई, गंदी भी हो गई, लेकिन वो ही आत्मा अब क्लीन-क्लीन होगी, फ्रेश होगी, चार्ज होगी और वो ही आत्मा सुबह के लिए फिर से तैयार हो जाएगी।

सतयुग में जो आत्माएं थीं, वो अभी यहीं पर होंगी। अपने आपसे कहना है, मुझ आत्मा के पास सतयुग वाले संस्कार ऑलरेडी थे। अगर हम अभी सुबह फ्रेश हैं, रात को थककर मैले हो जाएं और रात को कोई हमें कहे बस थोड़ी देर में आप एकदम फ्रेश हो जाएंगे फिर से। अगर किसी ने सुबह से रात तक की जर्नी देखी नहीं होगी, वो रात को विश्वास नहीं करेगा कि थोड़ी देर में फ्रेश हो सकता है। कहेगा, अब तो मैं बिल्कुल थक चुका हूँ। कोई कहेगा कुछ नहीं अभी आप थोड़ी देर में देखना फ्रेश हो जाओगे। क्योंकि हमने वो साइकल नहीं देखा लेकिन जिसने देखा है उसको पता है।

परमात्मा आकर हमें कहते हैं एक समय था आप बिल्कुल फ्रेश थे, प्युअर थे, डिवाइन थे। इतने डिवाइन थे कि आज भी उन डिवाइन चित्रों की मंदिरों में पूजा हो रही है। वो जो देवी-देवता थे जिनकी हम पूजा कर रहे हैं, वो आज कहाँ हैं। वो जो सतयुग में आत्माएं थीं, वो कलियुग में कहाँ हैं? अब अपने आपसे पूछना हम कौन हैं। हम वो देवी-देवता हैं जो थक गए हैं। जो सुबह चार्ज्ड थे, रात तक आते-आते थक गए। अब जब हम थके हुए हैं और परमात्मा कहता है अभी आप थोड़ी देर में ऐसे देवता बन जाओगे, तो हम कहते हैं ऐस थोड़े हो सकता है। हम विश्वास नहीं कर सकते, क्योंकि हम अपने आपको उससे बहुत दूर देखते हैं। कहाँ वो और कहाँ हम। लेकिन ऐसा होता है, और ऐसा ही हमारे साथ होना है। वो संस्कार जो मुझ आत्मा में रिकॉर्डेड थे, वो अभी भी हैं।

पुखरायां-उ.प्र.। 87वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ के शिव संदेश भवन में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए राज्य के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, स्थानीय मुख्य संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. ममता दीदी, जिला महिला मोर्चा अध्यक्षा श्रीमति रेनुका सचान व अन्य। इस मौके पर समाजसेवी मधुसूदन गोयल, ब्र.कु. अनुराग भाई, कालपी सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. ललिता बहन, नवीपुर माती सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. प्रतिभा बहन आदि उपस्थित रहे। इसके साथ ही इस अवसर पर भव्य शिव संदेश शोभा यात्रा निकाली गई जिसका शुभारंभ नगर अध्यक्ष सत्यप्रकाश शंखवार एवं मधुसूदन गोयल ने किया।

रेवाड़ी-हरियाणा। महाशिवरात्रि के अवसर पर शिवध्वज फहराते हुए ब्र.कु. कमलेश बहन, ब्र.कु. राजेन्द्र भाई तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें।

भरतपुर-राज.। 87वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव के कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए डॉ. स्वामी कौशल किशोर दास जी महाराज,सिद्ध पीठ पीठाधीश्वर, श्री लाल जी महाराज,मंदिर खोहरी, श्री निधि,बी.टी. आईएएस सी.ई.ओ. जिला परिषद, जिज्ञासा सहानी,पीएमओ,आरबीएम हॉस्पिटल, अनुराग गर्ग,अध्यक्ष,जिला अग्रवाल महासभा, राजयोगिनी ब्र.कु. कविता दीदी,आगरा सबज़ोन सह प्रभारी,जिला प्रभारी भरतपुर, अमर सिंह,वरिष्ठ अधिवक्ता, ब्र.कु. बबीता दीदी, ब्र.कु. प्रवीणा बहन, ब्र.कु. पूनम बहन तथा अन्य।

गाज़ीपुर-दिल्ली। शिव जयंती के अवसर पर आयोजित शिव संदेश शोभा यात्रा का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ करते हुए निगम पार्षद रचना चौधरी, राजयोगी ब्र.कु. जगरूप भाई, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सुधा बहन तथा अन्य भाई-बहनें।

बांदा-उ.प्र.। महाशिवरात्रि कार्यक्रम में केक काटते हुए डॉ. भूपेन्द्र सिंह, ब्र.कु. गीता बहन, ब्र.कु. शालिनी बहन तथा अन्य।

बिहार शरीफ-नालंदा(बिहार)। 87वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के कार्यक्रम में एम.एल.सी. रीना यादव, ब्र.कु. अनुपमा बहन, ब्र.कु. पूनम बहन सहित अन्य गणमान्य लोग व ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे।

बरनाला-पंजाब। महाशिवरात्रि पर आयोजित आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी के द्वारा परमात्मा का सत्य परिचय देते हुए ब्र.कु. पुष्प बहन।

चक्रधरपुर-झारखंड। महाशिवरात्रि के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ पाठशाला द्वारा संचालिका ब्र.कु. मानिनि बहन के नेतृत्व में शिव संदेश रथ के साथ शहर में झाँकी निकाली गई।

पहाड़ी-भरतपुर(राज.)। शिव जयंती महोत्सव में शिव ध्वजारोहण के पश्चात् ईश्वरीय स्मृति में सरपंच संतो देवी, डॉ. सुभाष, आर.एस.एस. के अध्यक्ष ब्रजमोहन जी, ब्र.कु. प्रीति बहन व ब्र.कु. संतोष बहन।